

अंत समय में अन्त वाहक शरीर द्वारा अंतिम फरिश्ता स्वरूप का अभ्यास के साथ अंतिम सेवा करने की विधी

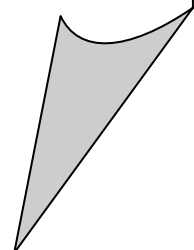
तीन दिन का कार्यक्रम योग भट्टी शाम से

प्रथम दिवस

४:३० शाम से- ५:०० - मेडिटेशन (दोनो तरफ़ सदंली पर एक ओर भाई एक ओर बहन योग करायेगें)

५:०० शाम से - ८:०० शाम - भट्टी का उद्घाटन साथ मै....दीप प्रज्वलन के साथ... स्वगत के साथ भट्टी का कार्यक्रम प्रारम्भ.

योग भट्टी का क्लास . योग भट्टी का उद्देश्य (टॉपिक - ब्राह्मण जीवन का लक्ष्य और समय का महत्त्व) परिवर्तन की समय पर हम अत्माओ का कर्तव्य, (ओम् ध्वनी के आभ्यास से प्रयोग से अंतर मन की ओर सम्पुण स्वास्थ्य की और)



अंत समय में अन्त वाहक शरीर द्वारा अंतिम फरिश्ता स्वरूप का अभ्यास के साथ अंतिम सेवा करने की विधी

योग भट्टी

द्वितीय दिवस

४:०० – ४:४५ – कॉमेन्ट्री द्वारा योग (दोनो तरफ़ सदंली पर एक ओर भाई एक ओर बहन योग करायेगें)

७:०० – ८:०० – मुरली

८: १५- ९:१५ – ब्रेक

९:१५ – १०:०० मेडिटेशन (दोनो तरफ़ सदंली पर एक ओर भाई एक ओर बहन योग करायेगें)

११:०० – १२:०० – क्लास (मन की सुसुप्त शक्तियों को जागृत करने की विधी ओर संकल्प शक्ति क्लास, शक्ति को कैसे युज करे, हर कदमों में सफलता प्राप्त करने की बीधी) (ओम् ध्वनी के आभ्यास से प्रयोग से अंतर मन की ओर सम्पुण स्वास्थ्य की और)

१२:०० – १२:३०- (कोमेन्ट्री द्वारा निरन्तर योग की अभ्यास)

क्लास –संकल्प शक्ति को कैसे युज करे, हर कदमों में सफलता प्राप्त करने की बीधी) (ओम् ध्वनी के आभ्यास से प्रयोग से अंतर मन की ओर सम्पुण स्वास्थ्य की और)

१२:३० – १:३०- क्लास- विश्व कल्याणकारी बन सफलता और सिद्धियां प्राप्तियों की विधी से अन्त वाहक शरीर द्वारा अंतिम फरिश्ता स्वरूप अनुभव की ओर)

१:३० – ४:३० – ब्रेक

४:३० – ५:३० – मेडिटेशन (दोनो तरफ़ सदंली पर एक ओर भाई एक ओर बहन योग करायेगें)

५:३० – ८:०० – क्लास (अंत वाहक शरीर का सम्पूर्ण ज्ञान, प्रत्यक्ष में अनुभव करने की विधी) (फरिश्ता, सुक्ष्म शरीर, अंतर मन जान योग के प्रयोग द्वारा, संकल्प शक्ति के प्रयोग की अभ्यास) (ओम् ध्वनी के आभ्यास से प्रयोग से अंतर मन की ओर सम्पुण स्वास्थ्य की और)

८:०० – ८:१५– मेडिटेशन(कोमेटी द्वारा) अन्त वाहक शरीर द्वारा अंतिम फरिश्ता स्वरूप अनुभव
अंत समय में अन्त वाहक शरीर द्वारा अंतिम फरिश्ता स्वरूप का
अभ्यास के साथ अंतिम सेवा करने की विधि
योग भट्टी

तृतीय दिवस

४:०० – ४:४५ – कॉमेन्ट्री द्वारा योग (दोनों तरफ़ सदंली पर एक ओर भाई एक ओर बहन योग करायेगें)

७:०० – ८:०० – मुरली

८: १५– ९:१५ – ब्रेक

९:१५ – १०:०० मेडिटेशन (दोनों तरफ़ सदंली पर एक ओर भाई एक ओर बहन योग करायेगें)

११:०० – १:३० – फ़रिश्ता स्वरूप अनुभव, कर्माइन्दीय को सम्पूर्ण दिव्य बनाने की कला, (ओम् ध्वनी के आभ्यास से प्रयोग से अंतर मन की ओर सम्पुण स्वास्थ्य की और)

१:३० – १:४०– मेडिटेशन (कोमेटी द्वारा) अन्त वाहक शरीर द्वारा अंतिम फरिश्ता स्वरूप अनुभव

१:३० – ४:३० – ब्रेक

४:३० – ७:०० – प्रश्न-उत्तर (दो दिन के क्लास में जो भी प्रश्न हो)
भट्टी की अनुभव का लेन देन, योग के प्रयोग.....

७:००–८:०० भट्टी का समापन

८:०० – ८:१५– अन्त वाहक शरीर द्वारा अंतिम फरिश्ता स्वरूप का अनुभव

योग भट्टी

बिशेष ध्यान दे

१. योग भट्टी का बेनर जहां पर क्लास होगी, हाल के मुतफ़िक जितना बड़ा हो अच्छा रहगा
२. योग भट्टी के उद्घाटन के अबसर पर किसि बिशेश व्यक्ती को बुला सकते हैं
३. योग भट्टी मैं जो भी भाइ ओर बेहन आये उन्हे तीलक तीन दिन रोज लगाये जाये
४. योग भट्टी क्लास के समय अगर बत्ती हर एक घटें मैं लगाये
५. योग भट्टी क्लास मैं हर अधा घटें मैं गरम पानी का ध्यान रखे
६. साउन्ड सिस्टम अच्छा हो सोन्स केलिये
७. स्टेज का भी ध्यान रखे २ फ़ुट उन्ची हो
८. स्टेज पर बेटक केलिये सिग्नल सोफ़्रा हो तो अच्छा हो
९. मधुबन की टोली योग भट्टी के तीसरे दिन समापन मैं दिया जाये तो अच्छा है

धन्यबाद

